भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2207
उत्तर देने की तारीख 09.12.2024

सांस्कृतिक मानचित्रण संबंधी राष्ट्रीय मिशन

2207. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सांस्कृतिक मानचित्रण का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा देश में प्रस्तावित राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन के लक्ष्य और उद्देश्य क्या-क्या हैं;

(ग) आन्ध्र प्रदेश राज्य में सरकार द्वारा अब तक जिला-वार कितने गांवों का मानचित्रण किया गया है; और

(घ) इस प्रकार सृजित आंकड़ों से उस गांव की संस्कृति, परंपराओं, कला रूपों आदि के संरक्षण और संवर्धन में किस प्रकार मदद मिलेगी?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में सुधार करने और पुनरुत्थान करने हेतु भारत की सांस्कृतिक धरोहर और इसकी सृजनात्मक क्षमता की पहचान और प्रलेखन करना है, जिसके फलस्वरूप भारत के गांव आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

(ख): इसके लक्ष्य एवं उद्देश्य और अपेक्षाएं निम्नानुसार हैं;

- ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में सुधार करने और पुनरुत्थान करने हेतु भारत की सांस्कृतिक धरोहर और इसकी सृजनात्मक क्षमता की पहचान और प्रलेखन करना, जिसके फलस्वरूप भारत के गांव आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

- सांस्कृतिक विरासत के सामर्थ्य तथा विकास और सांस्कृतिक पहचान के साथ इसके इंटरफेस के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना।
- 6.5 लाख गांवों का उनके भौगोलिक, जनसांख्यिकीय प्रोफाइल और रचनात्मक पूंजी सहित सांस्कृतिक मानचित्रण करना।

(ग): अब तक आंध्र प्रदेश के 14131 गांवों को वेब पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। जिला-वार ब्यौरा एमजीएमडी वेब पोर्टल पर उपलब्ध है।

(घ): वर्तमान में, एमजीएमडी वेब पोर्टल पर 4.5 लाख गांवों का डेटा अपलोड किया गया है। यह डेटा भारत की सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार करने और पुनरुत्थान करने की इसकी रचनात्मक क्षमता को पहचानने और प्रलेखित करने में मदद करेगा, जिससे ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर बन सकेगा।

****